भारतीय कला और कलाकारों को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के लिए आईआईएमए और ऑरा आर्ट द्वारा आर्ट इंडेक्स लॉन्च करने के लिए सहयोग

~ यह आर्ट इंडेक्स (कला सूचकांक), कला उत्साहियों, वित्तपोषकों, बीमाकर्ताओं और अन्य लोगों को 'गट फीलिंग' के बजाय डेटा के आधार पर कलाकृतियों के बाजार मूल्य का अनुमान लगाने में मदद करेगा।

~ 20 वर्षों में दुनिया भर के शीर्ष 25 भारतीय कलाकारों द्वारा कलाकृतियों के विश्लेषण के आधार पर कला सूचकांक विकसित किया गया है

24 नवंबर, 2022: भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए), एक प्रमुख वैश्विक प्रबंधन संस्थान, ने आज मुंबई स्थित कला अवसंरचना समाधान प्रदाता और कला लेनदेन में विशेषज्ञ, ऑरा आर्ट डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड (ऑरा आर्ट)) के सहयोग से आईआईएमए- ऑराआर्ट इंडियन आर्ट इंडेक्स (आईएआईएआई) के लॉन्च की घोषणा की।

आईएआईएआई भारतीय कला बाजार के लिए समय पर हस्तक्षेप के रूप में सामने आया है जो नवोदित अवस्था में होने के बावजूद तेजी से बढ़ता बाजार बन रहा है। यह सूचकांक अपनी तरह का पहला है जो विश्व स्तर पर नीलामी में भारतीय कलाकारों की मूल्य वृद्धि यात्रा का पता लगाता है। यह आवश्यकता जोर पकड़ रही है क्योंकि राष्ट्र को कला सूचकांकों का सीमित अनुभव है और अधिकांश खरीदारी अभी भी 'गट फीलिंग' से संचालित होती है।

ऐसे परिदृश्य में, हेडोनिक मूल्य निर्धारण मॉडल पर आधारित आईएआईएआई एक स्थिर-गुणवत्ता कला मूल्य सूचकांक के रूप में काम करेगा। सूचकांक को डेटा-संचालित पद्धति का उपयोग करके एक साथ रखा गया है, जो 20 वर्षों में दुनिया भर के शीर्ष 25 भारतीय कलाकारों की कलाकृतियों की नीलामी में कीमतों में बदलाव का विश्लेषण करता है। आईएआईएआई इसलिए समय के साथ कलाकृति के संभावित बाजार मूल्य में प्रतिशत परिवर्तन की गणना करने के लिए कला उत्साहियों, वित्तपोषकों, बीमाकर्ताओं और क्षेत्र भर के अन्य हितधारकों को डेटा प्रदान कर सकता है।

सूचकांक के संभावित लाभों के बारे में बात करते हुए, **आईआईएमए के निदेशक, प्रोफेसर एरोल डिसूजा** ने कहा: "कला और कलाकारों की न केवल सराहना की जानी चाहिए, बल्कि उनके पास एक महत्वपूर्ण निवेश मूल्य भी होता है। हाल ही में, भारत में नीलाम की गई कलाकृतियों की कुल कीमत प्रति वर्ष सौ मिलियन डॉलर से कुछ ही कम रही है। आईआईएम-ए में हम कला निवेश समुदाय के उभरते महत्व और जरूरतों और इसके द्वारा निवेश की जाने वाली परिसंपत्तियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह कला मूल्य सूचकांक कला निवेश के दायरे में उच्च स्तर की पारदर्शिता लाएगा। हमारा मानना है कि यह कला और इस प्रकार कलाकारों में निवेश को भी प्रोत्साहित करेगा।

वित्तीय परिसंपत्तियों के विपरीत, जो प्रकृति में समरूप हैं, कलाकृतियों जैसी वास्तविक परिसंपत्तियां अत्यधिक विषम हैं, जो विश्वसनीय सूचकांक बनाने में प्राथमिक चुनौतियों में से एक है। इसके अलावा, ऐसी वास्तविक संपत्तियों के लिए बाजार अनकदी और कम कारोबार वाले हैं। कलाकृति की कीमतें कलाकारों, मीडिया, विषय, आकार आदि से

संबंधित कारकों का संयोजन हैं। इस प्रकार, कई कारकों में अलग-अलग कलाकृति की कीमतों की तुलना करना संज्ञानात्मक त्रुटियों से भरा है। एक सहज समाधान एक अवधि में देखे गए कला मूल्य लेनदेन को एक केंद्रीय प्रवृत्ति माप जैसे औसत, या माध्यिका में वर्णित करना है। हालांकि, केंद्रीय प्रवृत्तियों पर आधारित सूचकांक कीमतों में उतार-चढ़ाव के भ्रामक संकेतक हो सकते हैं। एक ऐसे निवेशक के बारे में विचार करें, जिसने 2010 में जनजातीय संस्कृति की जैमिनी रॉय की ऑयल रेंडरिंग खरीदी थी, और आज तब से इसकी कीमत में प्रतिशत परिवर्तन का आकलन करना चाहता है। लेकिन हाल की नीलामियों में सूजा और हुसैन के अपेक्षाकृत अमूर्त कार्यों का वर्चस्व रहा है। इसलिए, मूल्य में औसत परिवर्तन केवल समय बीतने के कारण ही नहीं; बल्कि नीलाम की गई कलाकृति की बदलती गुणवत्ता के कारण भी होता है। यह सूचकांक को रॉय के काम के लिए अप्रासंगिक बना देता है। आईएआईएआई इस मुद्दे को इस तरह हल करता है कि समय के साथ नमूने की गुणवत्ता बदलने के बावजूद यह एक बड़े परिसंपत्ति वर्ग के लिए सामान्य है।

ऑरा आर्ट के साथ अपने सहयोग के माध्यम से, आईआईएमए ने पूर्ववर्ती द्वारा प्रदान किए गए डेटा का विश्लेषण किया, जिसमें शीर्ष 25 भारतीय कलाकारों द्वारा 9,000 से अधिक कलाकृतियों की नीलामी के परिणाम शामिल थे (विश्लेषण किए गए कलाकारों की सूची नीचे उपलब्ध है), जिनकी 1 अप्रैल, 2001 से 30 जून, 2022 तक 20 साल से अधिक की अवधि में दुनिया भर के 11 नीलामी घरों से नीलामी की गई थी। इन कलाकारों को नीलाम की गई कलाकृतियों की संख्या के आधार पर चुना गया था। इन कलाकारों ने सूचकांक निर्माण में शामिल करने के लिए जरूरी कलाकृतियों की पर्याप्त मात्रा प्रदान की थी। डेटा के पहले बैच में संपूर्ण नमूना अवधि के लिए INR 45 bi (लगभग $0.75 bi @ ₹ 60/US$) का कुल नीलामी मूल्य शामिल था।

प्रोफेसर प्रशांत दास, आईआईएमए फैकल्टी, जिन्होंने सूचकांक के विकास के लिए प्रोग्राम एल्गोरिथम की परिकल्पना की थी ने कहा, "एक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में, कला में रियल एस्टेट के साथ बड़ी समानता है: प्रत्येक परिसंपत्ति अद्वितीय है, और बाजार स्तरीकृत है। यहां तक कि अगर कई प्रतियों में उत्पादित किया जाए, तो भी उत्पाद समान नहीं होते हैं। ऐसी परिसंपत्तियों को एक एकीकृत मूल्य सूचकांक में जोड़ना एक विश्लेषणात्मक चुनौती है जिसे हम इस सूचकांक के माध्यम से हल करने का प्रयास करते हैं। सूचकांक मोटे तौर पर प्रासंगिक है, भले ही समय के साथ नमूने में कला की किसी भी गुणवत्ता का वर्चस्व रहा हो।

लॉन्च पर बोलते हुए, **ऑरा आर्ट डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, श्री ऋषिराज सेठी** ने कहा, "कला सूचकांक दिमाग और दिल के संगम का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो आम तौर पर दोनों का सर्वश्रेष्ठ परिणाम देता है। हमारा सहयोग आईआईएम-ए के विश्लेषणात्मक कौशल और गूढ़ कारकों पर ऑरा आर्ट की समझ के संगम को दर्शाता है जो कला मूल्य को संचालित करता है। हमारा उद्देश्य भारतीय कला बाजार की धड़कनों को मापना है।

2022 की तरह, दोनों पक्ष (आईआईएमए और ऑरा आर्ट) वर्ष में दो बार अपडेट किए गए त्रैमासिक मूल्य सूचकांकों को प्रकाशित करने पर सहमत हुए हैं। सूचकांक को वित्तीय बाजार और अर्थव्यवस्था के लिए आईआईएमए के मिश्रा सेंटर के एक भाग के रूप में होस्ट किया जाएगा:

आईआईएमए में मिश्रा सेंटर फॉर फाइनेंशियल मार्केट्स एंड इकोनॉमी एक उत्कृष्टता केंद्र है जो भारत में वित्तीय बाजारों और अर्थव्यवस्था पर शोध करता है। केंद्र से समग्र ढांचे के भीतर वित्तीय बाजारों से संबंधित केंद्रित अनुसंधान और शिक्षण के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने की उम्मीद है।

आईआईएमए-ऑराआर्ट के लिए शीर्ष-25 भारतीय कलाकारों की सूची

#	कलाकार का नाम
1	अकबर पदमसी
2	अंजली इला मेनन
3	बी. प्रभा
4	बद्री नारायण
5	भूपेन खाखर
6	बिकाश भट्टाचार्य
7	एफ.एन. सूजा
8	गणेश पाइन
9	जेमिनी राय
10	जहांगीर सबावाला
1 1	जोगेन चौधरी
12	के. लक्ष्मा गौड़
13	के.जी. सुब्रमण्यन
14	कृष्ण खन्ना
15	लालू प्रसाद शॉ
16	मंजीत बावा
17	मनु पारेख
18	एम.एफ. हुसैन
19	राम कुमार
20	शक्ति बर्मन
21	सतीश गुजराल
22	एस.एच. रजा
23	थोटा वैकुंठम
24	तैयब मेहता
25	वीएस गायतोंडे

स्रोत: लेखक। इसमें 2001 Q1 से 2022 Q1 तक का डेटा शामिल है।

आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख, वैश्विक प्रबंध संस्थान है जो प्रबंध शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सबसे आगे है। अपने अस्तित्व के 60 वर्षों में, इसे अपने विशिष्ट शिक्षण, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, भावी नेताओं का पोषण, उद्योग, सरकार, सामाजिक उद्यम का समर्थन करने और समाज पर एक प्रगतिशील प्रभाव पैदा करने के माध्यम से विद्वत्ता, अभ्यास और नीति में अनुकरणीय योगदान के लिए स्वीकार किया गया है।

आईआईएमए की स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा एक अभिनव पहल के रूप में की गई थी। तब से यह अपने वैश्विक पदचिह्न को मजबूत कर रहा है और आज इसका 80 से अधिक शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ नेटवर्क है और इसकी दुबई में भी उपस्थिति है। इसके प्रख्यात फैकल्टी सदस्य और 40,000 पूर्व छात्र भी इसकी वैश्विक मान्यता में योगदान करते हैं, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रभावशाली पदों पर हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, आईआईएमए के अकादमिक रूप से श्रेष्ठ, बाजार संचालित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों ने विश्व स्तर पर उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा अर्जित की है। यह EQUIS से अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बन गया। प्रबंधन में प्रसिद्ध प्रमुख दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) को FT मास्टर इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2021 में 26वां स्थान दिया गया है और एक वर्षीय कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) को FT ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2022 में 62वां स्थान दिया गया है। संस्थान को भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), भारत रैंकिंग 2022 में भी पहले स्थान पर रखा गया है।

आईआईएमए व्यावसायिक नेतृत्व, नीति निर्माताओं, उद्योग पेशेवरों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, सशस्त्र बलों के कार्मिकों, कृषि-व्यवसाय और अन्य विशिष्ट क्षेत्र के विशेषज्ञों और उद्यमियों के विविध लोगों के लिए अनुकूलित, मिश्रित और खुले नामांकन प्रारूपों में परामर्श सेवाएं और 200 से अधिक क्यूरेटेड कार्यपालक शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। आईआईएमए के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया https://www.iima.ac.in/ देखें।

ऑरा आर्ट और इसके डेटा के बारे में (www.auraart.in and www.artinfrasolutions.com)

ऑरा आर्ट डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड ("एएडीपीएल" या "ऑरा आर्ट") को 2008 में क्षमतावान कलाकारों की पहचान करने, उनकी कला को बढ़ावा देने और कला संग्रह की संस्कृति विकसित करने के लिए निगमित किया गया था। 2015 में, एएडीपीएल ने कला के कारोबार का विस्तार करने, क्यूरेटेड आर्ट शो की स्थापना करने और क्यूरेटेड फाइन आर्ट (www.auraart.in) के लिए भारत के अग्रणी ऑनलाइन मार्केटप्लेस को विकसित करने के लिए एक सहायक कंपनी, ऑरा आर्ट ईकनेक्ट प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। कलाकारों के विकास के लिए सफलतापूर्वक एक ढांचा तैयार करने के बाद, एएडीपीएल अब भारतीय कला बाजार के व्यवस्थित विकास के लिए अगली बड़ी बाधा - कला संग्राहकों, कॉरपोरेट्स, कलाकारों, संग्रहालयों, फाउन्डेशन्स, सरकार और अन्य संस्थानों (महलों, मंदिरों, धार्मिक और

आध्यात्मिक संगठनों आदि सहित) की सभी ज़रूरतों के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में आर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस (www.artinfrasolutions.com) की पेशकश करके हल करने के लिए तैयार है। चूंकि कला और सांस्कृतिक वस्तुओं की अधिक मूल्यवृद्धि होती है, अतः उनके आर्थिक मूल्य और उनमें निहित अपूरणीय ऐतिहासिक मूल्य की बढ़ी हुई संवेदनशीलता की बेहतर समझ की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है ताकि इन सांस्कृतिक परिसंपत्तियों को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सके। यह कई विशेषज्ञों/हितधारकों के साथ सहयोग द्वारा समर्थित आंतरिक क्षमता वृद्धि और महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की मांग करता है।

ऑरा आर्ट भारतीय कला बाजार के व्यवस्थित विकास के लिए अग्रणी विचार नेतृत्व पहल के लिए प्रतिबद्ध है।

इस प्रयास के लिए, ऑरा आर्ट ने अगस्त 2019 में अंतरराष्ट्रीय कानूनी गठबंधन (आईएलए) के साथ "आर्टआईपी - बौद्धिक संपदा सृजन करने की कला" के अलावा अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) के साथ संयुक्त रूप से दो प्रकाशन विकसित किए हैं, जिनके शीर्षक हैं "द साइंस बिहाइंड वैल्यूइंग आर्ट" (दिसंबर 2017) और " आरटैक्स - कलाकृतियों के कर जोखिमों का प्रबंधन" (अगस्त 2018)। अक्टूबर 2019 की ऑरा आर्ट "आरट्रैंड्स" रिपोर्ट को "ट्रेंडोनॉमिक्स 2021", एम्बिट ग्लोबल प्राइवेट क्लाइंट के वार्षिक आउटलुक 2021 में भी स्थान दिया गया था। इसके अलावा ऑरा आर्ट ने भारतीय कला के वैश्विक नीलामी परिणामों के व्यापक डेटाबेस के साथ एक मालिकाना मूल्यांकन साधन विकसित किया है और कला उद्योग को कला मूल्यांकन मार्गदर्शन प्रदान करने में एक बाजार अगुआ बनने की आकांक्षा रखता है। भारतीय कला सूचकांक (आईएआईएआई) विकसित करने के लिए आईआईएमए के साथ सहयोग इस संबंध में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मीडिया से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए, कृपया संपर्क करें:
सोफिया क्रिस्टीना | gm-comm@iima.ac.in
सुनीता अरविंद | pr@iima.ac.in | +91-8450900643